© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

Queensland Government
Queensland Health

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र

MRI - Magnetic Resonance Imaging - MRI - मैगनेटिक रिसोनैंस इमेजिंग

1. MRI क्या है?

मैगनेटिक रिसोनैंस इमेजिंग (MRI), इमेजिंग (तस्वीरें लेने) का एक आधुनिक तरीका है जिसमें स्ट्रांग मैगनेटिक फील्ड (शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र), रेडियो तरंगों और एक कंम्प्युटर की सहायता से शरीर की तस्वीरें ली जाती हैं, MRI में एक्स-रे का प्रयोग नहीं होता। MRI तस्वीरों में विस्तृत विवरण दिखता है। वे हड्डियां व टिश्युस (ऊतकों) दोनों को दिखा सकती हैं।

MRI सुरक्षा

- जिस कमरे में स्कैनिंग होती है उसमें किसी को तब तक नहीं जाने दिया जाता जब तक कि उन्होनें सुरक्षा से संबंधित प्रश्नों के उत्तर ना दे दिये हों और साथ ही आपने शरीर से धातु की बनी सारी वस्तुयें ना उतार दी हों (जैसे कि: गहने, आंखों के चश्में और मोबाइल फोन)
- स्ट्रांग मैगनैटिक फील्ड होने के कारण कुछ रोगी MRI नहीं करा सकते। इस प्रकार के रोगियों में वे व्यक्ति आते हैं जिन्होनें शरीर में धातु की वस्तुएं बिठा रखी हैं। इन वस्तुओं में आगे दी जा रही चीजों के अलावा अन्य चीजें भी शामिल हो सकती हैं: हृदय पेसमेकर, दिमाग में लगे एन्युरिस्म क्लिप्स एवम् बाहरी वस्तुयें जैसे आँखों में लगे मैटल शेविंग्स।
- आपके द्वारा सुरक्षा प्रश्नों के उत्तर, जितना संभव हो उतना, सही देना महत्वपूर्ण है। आपने यदि कभी कोई आंतरिक इम्प्लांट (किसी भी प्रकार का) कराया हो तो आपको उसके बारे में MRI कर्माचारी से बात करनी चाहिये ताकि किसी भी प्रकार के संभावित खतरों का स्पष्टीकरण हो सके।

2. क्या उसमें किसी प्रकार की तकलीफ होगी, किसी एनस्थैटिक (संवेदना हीन करने) की आवश्यकता होती है?

MRI स्कैन एक दर्द रहित प्रक्रिया है, इसमें एनस्थैटिक की ज़रूरत नहीं पड़ती।

कुछ लोगों को MRI मशीन के अंदर, सुरंग जैसी सीमित जगह के कारण, असुविधा महसूस होती है। इसे 'क्लस्ट्रोफोबिया' (दम घुटने जैसा लगना)

कहा जाता है यदि ऐसा हो तो, कर्मचारी को बतायें क्योंकि वे कई तरीकों से इसमें आपकी सहायता कर सकते हैं।

कभी कभी ही ऐसा होता है कि स्कैन को पूरा करने के लिये आपको दवाई देनी *पड़े*। यदि आपको स्कैन के लिये दवा की ज़रूरत हो तो कृपया MRI कर्मचारी से उस बारे में बात करें।

3. प्रक्रिया के लिये तैयारी

मैडिकल इमेजिंग विभाग द्वारा आपको बताया जायेगा कि आप अपने प्रोसिजर के लिये कैसे तैयारी करें।

- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं अथवा बच्चे को अपना दूध पिला रहीं हैं तो कृपया कर्मचारी को बतायें।

4. प्रक्रिया के दौरान

स्कैन के दौरान आपको कुछ भी महसूस नहीं होगा। आपकी तस्वीरें लेने के लिये काम में ली जा रहीं रेडियो तरंगें बहुत शोर वाली होती हैं; आपको पटकने की और टकराने की आवाजें सुनाई पड़ सकती हैं। आपके कानों को शोर से बचाने के लिये आपको हैडफोन्स या ईयरप्लग्स (कान में लगने वाले) दिये जायेंगे। स्कैन के समय MRI कर्मचारी आपके साथ कमरे में नहीं रहेगा लेकिन वह आपको देख सकेगा और स्कैन्स के बीच में इंटरकॉम द्वारा आपसे बात कर सकेगा। आपको एक कॉल बटन दिया जायेगा सहायता की ज़रूरत होने पर उसे काम में लें।

MRI स्कैन में 15 से 90 मिनट लगेंगे। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि आप स्कैन के दौरान पूर्णतया स्थिर रहें, थोड़ा सा हिलते ही तस्वीरें धुंधली हो सकती है।

शरीर के स्कैन किये जाने वाले हिस्से के आधार पर आपको MRI कॉन्ट्रास्ट दिया जा सकता है।

एक बारीक सुई (IV cannula) को आपकी बाहँ की एक नस में लगाया जायेगा, ताकि MRI कॉन्ट्रास्ट को भीतर पहुँचाया जा सके।

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

MRI कॉन्ट्रास्ट व उसके उपयोग से जुड़े खतरों के बारे में अधिक जानकारी के लिये, कृपया **MRI कॉन्ट्रास्ट रोगी सूचना पत्र पढ़ें** *(यदि आपके पास वह सूचना पत्र नहीं है तो कृपया अपनी प्रति मांगें)*

5. प्रक्रिया के बाद

IV cannula को बाहर निकाल लिया जायेगा (यदि लगाया गया है तो)।

MRI करवाने से होने वाले पक्षीय प्रभावों या इसके बाद होने वाले किसी भी प्रभाव के बारे में ज्ञात नहीं है।

6. इस विशेष प्रक्रिया के क्या क्या खतरे हैं?

इस प्रक्रिया से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

सामान्य खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- हल्का दर्द, IV cannula से चमड़ी छिल जाना (या नील पड़ जाना) एवम्/ अथवा इंफैक्शन हो जाना। ऐसा होने पर एंटीबायोटिक्स से ईलाज की ज़रूरत पड़ सकती है।

सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- सामान्यतया कम होने वाले खतरों के बारे में ज्ञात नहीं है।

बहुत ही कम होने वाले खतरे व परेशानियों में शामिल हैं:

- इस प्रक्रिया के कारण मृत्यु *बहुत ही* कम मामलों में होती है।

मेरे डॉक्टर/ हैल्थ प्रैक्टिशनर से जो बातें करनी हैं:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

Queensland Government
Queensland Health

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र

MRI Contrast - MRI कॉन्ट्रास्ट

1. MRI कॉन्ट्रास्ट क्या है?

आपके डॉक्टर ने आपको जिस मेडिकल इमेजिंग प्रक्रिया (शरीर के आंतरिक हिस्सों की तस्वीरे लेकर जाँच) के लिये कहा है, उसमें MRI 'कॉन्ट्रास्ट' काम में लिया जा सकता है। MRI कॉन्ट्रास्ट एक रंगहीन पदार्थ होता है जिसे आपके अंदर बहते खून में इंजैक्शन द्वारा पहुँचाया जाता है। MRI कॉन्ट्रास्ट कोई डाई (रंग) नहीं है। इससे आपके शरीर के अंदर धब्बे नहीं पड़ते। MRI मेडिकल इमेजिंग प्रक्रिया के दौरान इसे काम में इसलिये लिया जाता है ताकि आपके अवयव अधिक स्पष्ट रुप से दिख सकें। आपका डॉक्टर MRI कॉन्ट्रास्ट काम में इसलिये लेता है ताकि उसे वो सारी जानकारी मिल सके जो आपके रोग की पहचान में सहायक हो।

इस सूचना पत्र को उस प्रक्रिया के सूचना पत्र के साथ पढ़ना आवश्यक है, जिसके लिये आपको बुक किया गया है (*यदि आपके पास वह सूचना पत्र नहीं है तो कृपया अपनी प्रति मांगें)*

2. प्रक्रिया के दौरान

MRI कॉन्ट्रास्ट को जब शरीर के भीतर पहुँचाया जाता है तो आपको कुछ अलग महसूस नहीं होना चाहिये।

3. प्रक्रिया के बाद

MRI कॉन्ट्रास्ट आपकी साधारण कामों को करने की क्षमता पर असर नहीं डालता; आप अपना दिन सामान्य तरीके से बिता सकते हैं।

4. सावधानियां

कुछ लोगों को के लिये MRI कॉन्ट्रास्ट अनुकूल नहीं होता; इसे आपको देने से पहले आपसे कुछ प्रश्न पूछे जायेंगे। यदि आपको इससे कोई खतरा हो सकता है तो आपके उत्तरों से कर्मचारी को उनका पता चल जाता है ।

- यदि आपको संदेह है या आप जानती हैं कि आप गर्भवती हैं या आप बच्चे को अपना दूध पिलाती हैं तो कृपया कर्मचारी को बतायें।

<u>गुर्दों की कार्यशीलता</u>

- आपके गुर्दों द्वारा, आपके शरीर से MRI कॉन्ट्रास्ट को आपके पेशाब के द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है। जिन लोगों के गुर्दे सामान्य रुप से काम करते हैं उनके शरीर से इसे आसानी से बाहर निकाल दिया जाता है।
- जिन लोगों के गुर्दे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, (रैनल फैल्योर के नाम से जानी जाने वाली अवस्था या गुर्दों से संबंधित दुर्बलता) वे लोग आपने शरीर से MRI कॉन्ट्रास्ट बाहर नहीं निकाल सकते। इससे बहुत ही कम होने वाला विकार (डिसॉर्डर) जिसे नैफ्रोजेनिक सिस्टैमिक फाइब्रोसिस (NSF) कहते हैं, हो सकता है।
- NSF एक ऐसी स्थिती होती है जिसके परिणामस्वरुप पूरे शरीर में चमड़ी व टिशयुस (ऊतक) मोटे हो जाते हैं उन पर दाग (स्कार) पड़ जाते हैं। और ऐसा होने पर मांसपेशी (मसल), स्नायु (टेन्डोंस), अस्थिरज्जू (लिगमैंट्स) या चमड़ी तन जाती है जिससे साधारण गतिशीलता और कार्य करना बन्द हो जाता है। यह स्थिति गंभीर रुप से असमर्थ बना देती है और ऐसा होने पर मृत्यु भी हो सकती है।
- आपके गुर्दों के कार्य स्तर (स्थिति) का पता लगाने के लिये आपसे साधारण ब्लड टैस्ट कराने के लिये कहा जा सकता है।

5. MRI कॉन्ट्रास्ट के क्या- क्या खतरे हैं?

MRI कॉन्ट्रास्ट से निम्नलिखित के अलावा भी खतरे व परेशानियां हो सकते हैं।

सामान्य खतरों व परशानियों में शामिल हैं:

- सामान्य खतरों के बारे में ज्ञात नहीं है।

सामान्यतया कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- इंजैक्शन द्वारा दिया गया कॉन्ट्रास्ट खून की नस से बाहर, चमड़ी के नीचे टिश्यु में लीक हो सकता है। ऐसा होने पर ईलाज की ज़रूरत पड़ सकती है। बहुत ही कम मामलों में, यदि चमड़ी फट जाती है तो आगे ऑपरेशन की आवश्यकता हो सकती है।
- हो सकता है कि मैडिकल एवम् /अथवा तकनीकी कारणों से यह इंजैक्शन देना संभव ना हो

बहुत ही कम होने वाले खतरों व परेशानियों में शामिल हैं:

- पहले एक घंटे के भीतर एलर्जिक रिएक्शन का होना, अधिकतर रिएक्शन पहले 5 मिनट में हो जाते हैं।
  एलर्जी विभिन्न प्रकार की हो सकती है:
  हल्की -सरदर्द, थोड़ी देर उबकाई, चक्कर आना, चमड़ी लाल होना या सूज जाना, फुन्सियां और खुजली।
  मध्यम -बहुत सारी जगहों पर चमड़ी लाल होना या सूज जाना, सर दर्द, मुख पर सूजन, उल्टी आना, सांस में कमी।
  गहन - गहन रिएक्शन बहुत ही कम होते हैं लेकिन उनमें शामिल हैं: ह्रदय में धुकधुकी जो जीवन के लिये खतरनाक हो, बहुत ही कम ब्लड प्रैशर, गले में सूजन, दौरा आना एवम्/ अथवा ह्रदय की धड़कन में यकायक ठहराव।
- नैफ्रोजेनिक सिस्टमैटिक फाइब्रोसिस (NSF) *केवल गुर्दे से संबंधित गंभीर दुर्बलता वाले रोगियों के लिये।*

09/2009 - V 1.0

© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

- MRI कॉन्ट्रास्ट के कारण मृत्यु बहुत ही कम मामलों में होती है।

6. अस्पताल से छुट्टी होने पर सुरक्षा संबंधी मुद्दे कौन कौन से हैं?

यदि आपकी तबियत बिगड़ जाये तो अपने निकटतम A&E (एक्सीडैंट एंड ईमरजैंसी) विभाग या GP (डॉक्टर) के पास जायें।

मेरे डॉक्टर/ हैल्थ प्रैक्टिशनर से जो बातें करनी हैं:

09/2009 - V 1.0

Queensland Government

PATIENT INFORMATION SHEET ONLY

NO DOCUMENTED CONSENT REQUIRED

Unless patient is renal impaired

If a documented consent is required

Interpreter Services *must* be accessed